Date
7/05/2020

Subject – (Contemporary Edu. India & Edu.) B.Ed. Ist (1) Years

Topic – (NCFTE, 2009)

* NCFTE – National Curriculum Framework Teacher Education,

या

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना शिक्षक शिक्षा

शिक्षा के सार्वभौमिकरण एवं विद्यार्थी साक्षरता स्तर को ऊँचा करने हेतु शिक्षा का अधिकार 2009 अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था हुई। इसने शिक्षक के कार्यो मे वृद्धि कर दी। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना शिक्षक शिक्षा 2009 का उद्देश्य राष्ट्र की प्रगति हेतु शिक्षको का निर्माण करना है तथा साथ ही इसके द्वारा शिक्षकों मे सुधारात्मक सुझावों के द्वारा राष्ट्र की प्रगति हेतु आदर्श शिक्षक का निर्माण करना भी है। इसका अप्रत्यक्ष उद्देश्य छात्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारना एवं उसे उसकी शक्तियों से अभिभूत कराकर सफल बनाना है।

* NCFTE, 2009 के उद्देश्य :-

NCFTE, 2009 ने दो प्रकार के उद्देश्यो का निर्धारण किया –

1] प्रत्यक्ष उद्देश्य

2] अप्रत्यक्ष उद्देश्य

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना शिक्षक शिक्षा, 2009 के प्रत्यक्ष उद्देश्य :-

प्रत्यक्ष उद्देश्यों का सम्बन्ध शिक्षक के उन प्रत्यक्ष व्यवहारों से होता है जिनके द्वारा छात्रों के कार्य एवं व्यवहार में पूर्णत: सुधार किया जा सके। ये शिक्षक से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित होते हैं। जो निम्नलिखित हैं —

1.) शिक्षक शिक्षा हेतु पाठ्यचर्या का निर्माण करना।

2.) शिक्षक शिक्षा के लिए उचित समयावधि का निर्धारण करना।

3.) शिक्षकों के व्यवसायिक वृद्धि की उपलब्धता कराना।

4.) शिक्षक की योग्यता एवं गुणों का विकास करना।

5.) शिक्षक शिक्षा का क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण करना।

6.) शिक्षक का विकास एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में करना।

7.) शिक्षक का विकास एक मनोवैज्ञानिक के रूप में करना।

8.) शिक्षक का विकास एक विचारक के रूप में करना।

9.) शिक्षक का विकास एक ज्ञान स्रोत के रूप में करना।

10.) शिक्षक का विकास एक निर्देशनकर्ता एवं परामर्शदाता के रूप में करना।

प्रत्यक्ष उद्देश्यों का सीधा प्रभाव छात्रों के कार्य एवं व्यवहार में पूर्णत: सुधार के लिए किया जाता है। अत: एक शिक्षक का विकसित स्वरूप उपरोक्त गुणों से ओत-प्रोत होना चाहिए।

Suchi Tyagi

Continue---

Scanned with CamScanner